राष्ट्रीय महिला किसान दिवस

डा राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

डा राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में पंद्रह अक्टूबर को विद्यापति सभागार में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से आये हुये सैंकड़ों महिला किसानौ ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति डा पीएस पांडे ने संस्कृत का श्लोक पढ़ते हुए कहा कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, तत्र रमंते देवता" अर्थात जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। उन्होंने भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये बहुत गर्व का विषय है कि पंद्रह अक्टूबर को महिला किसानों को सम्मान देने के लिये तय किया गया है। उन्होंने पद्म श्री राजकुमारी देवी, किसान चाची को अन्य महिलाओं के लिये प्रेरणा का स्रोत बताया और कहा कि इनके संघर्ष से सभी लोगों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं का अहम योगदान है। देश भर के कृषि विश्वविद्यालयों में 47 प्रतिशत छात्रायें कृषि की पढाई कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि विश्वविद्यालय से जुड़े कई महिला किसानों को पुरस्कार मिला है और यह और भी गर्व की बात है कि किसान चाची पहली महिला किसान है जिन्हें पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया है। कुलपति ने डा दयाराम के कार्यों की प्रशंसा भी की।

कार्यक्रम में बोलते हुए निदेशक प्रसार शिक्षा डा एम एस कुंडू ने कुलपति के मार्गदर्शन की प्रशंसा की और कृषि में महिलाओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं का योगदान है। उन्होंने कहा कि नये उद्यमो की स्थापना में भी महिलायें बढ़ चढ़ कर भाग ले रही है।

कार्यक्रम में किसान चाची ने अपने संघर्ष के विषय में किसान महिलाओं को विस्तार से बताया और कहा कि समाज क्या कहेगा इससे घबराना नहीं चाहिए। महिला किसान श्रीमती मनोरमा सिंह, श्रीमती प्रतिभा झा और श्रीमती पुष्पा झा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आपको बता दें कि बिहार में मशरूम क्रांति लाने में इन महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इन तीनों महिला किसानों ने अपने संघर्ष के विषय में भी चर्चा की।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डा अनुपमा कुमारी सह निदेशक प्रसार शिक्षा डा अनुपमा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डा पी एस ब्रह्मानंद, डीन बेसिक साइंस, डा सोमनाथ राय चौधरी, डा दयाराम, डा बी के तिवारी, डा कुमार राज्यवर्धन, डा एम एस मीणा समेत कई वैज्ञानिकों एवं पदाधिकारियों ने शिरकत की।

Director Extension Education welcoming
Hon’ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa

Celebration of Rashtriya Mahila Kisan Diwas at RPCAU, Pusa

Hon’ble Vice Chancellor, RPCAU addressing to the Mahila Kisan

Smt. Rajkumari Devi (Kisan Chachi) Padamshree, addressing to the Mahila Kisan